www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 107 नागपुर, सोमवार, 13 मार्च 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

होली की शुभकामनाएं

धुलिवंदन के पावन पर्व पर सभी देशवासियों, पाठकों, व शुभचिंतकों को *विदर्भ की बात* की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

– संपादक

अवकाश की सूचना

धुलिवंदन पर्व के अवसर पर आज सोमवार 13 मार्च को *विदर्भ की बात* कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक बुधवार 15 मार्च को प्रकाशित होगा।

– संपादक

रामदेव के फूड पार्क में हेलीकॉप्टर पर चढ़ते वक्त गिरे अरुण जेटली

हरिद्वार

केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली रविवार को हेलीकॉप्टर पर चढ़ते समय घायल हो गए। दरअसल जेटली पतंजलि के फूड पार्क आए थे और यहां से लौटते वक्त चॉपर पर चढ़ते समय फिसल कर हेलीपैड पर गिर गिए।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में जेटली को सिर में चोट लग गई। पतंजलि के डॉक्टरों ने जेटली की जांच की और बताया कि ये चोट बेहद मामूली और जेटली पूरी तरह ठीक हैं।

जीत के बाद 'खामोश' हुए शत्रु के बागी सुर, मोदी, अमित शाह की जमकर तारीफ

पटना

पांच राज्यों में चुनावों की तस्वीर साफ होने के बाद बीजेपी के सियासी विरोधियों के हौसले तो पस्त हुए ही हैं, पार्टी के भीतर भी मोदी के आलोचकों को रुख पलटने पर मजबूर होना पड़ा है। इस क्रम में यूपी चुनावों में मिली जीत के बाद बीजेपी के बागी नेता शत्रुघ्न सिन्हा के भी सुर बदले हैं। उन्होंने ट्विटर पर पीएम मोदी को बधाई दी। सिन्हा का कहना था कि मोदी एक जोशीले और गतिशील नेता हैं। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को भी सबसे बेहतरीन रणनीतिकार, दूरदृष्टा और शांतचित्त नेता बताया।

यूपी सचिवालय में फाड़कर फेंकी गई महत्वपूर्ण विभागों से जुड़ी अहम फाइलें

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सरकार बदलने की ख़बर से विधान सभा सचिवालय में हलचल मच गई, जिसका नतीजा ये हुआ कि कई पुरानी फ़ाइलें फाड़कर फेंक दी गई हैं। कई महत्वपूर्ण विभागों से जुड़ी अहम फाइलें सचिवालय के कूड़े के ढेर मे फेंकी गई हैं। यूपी विधान सभा सचिवालय में हजारों की संख्या मे सरकारी फाइलें फाड़ी गई हैं। फाइलों मे सरकारी कामकाज मे धांधली के दस्तावेज होने की आशंका जताई जा रही है।

जीत के बाद और अधिक नम्र होना हमारी जिम्मेदारी - मोदी

इस जीत के लिए बीजेपी की चार पीढ़ियां खप गईं

नई दिल्ली

उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के बाद रविवार को बीजेपी हेडक्वार्टर में आयोजित अभिनंदन समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं होते हैं, बल्कि यह लोकशिक्षण का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि अकल्पनीय भारी मतदान के बाद अकल्पनीय भारी विजय होता है, यह पोलिटिकल पंडितों के लिए विचार करने को मजबूर करता है। भावनात्मक मुद्दों के अलावा विकास एक कठिन चुनावी मुद्दा होता है। पिछले 50 सालों में विभिन्न राजनीतिक दल इस मुद्दे से कतराते रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जीत के लिए बीजेपी की चार पीढ़ियां खप गईं। हर चुनाव के साथ हमारा समर्थन बढ़ता गया। यह बीजेपी का स्वर्णिम युग है। उन्होंने कहा कि चुनाव में कौन जीता, कौन हारा, मैं इस दायरे में सोचने वालों में से नहीं हूं। चुनाव का नतीजा हमारे लिए जनता जनार्दन का पवित्र आदेश होता है। जीत के फल के बाद और अधिक नम्र होना हमारी जिम्मेदारी है। सत्ता जनता की सेवा करने का एक अवसर होती है। पीएम मोदी ने कहा, मैं देश की गरीबों की शक्ति को पहचान पाता हूं और राष्ट्र के निर्माण में गरीबों को जितना ज्यादा अवसर मिलेगा, देश उतना प्रगति करेगा। गरीब

को अगर काम का अवसर मिला, तो वह देश के लिए ज्यादा काम करके दिखाएगा। मध्यम वर्ग का बोझ कम होना चाहिए। एक बार गरीब के अंदर खुद का बोझ उठाने की क्षमता आ जाएगी, तब मध्यम वर्ग का बोझ कम हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पांचों राज्यों की जनता का धन्यवाद देते हुए कहा कि जिन्होंने वोट दिया भाजपा की सरकार उनकी भी है, जिन्होंने नहीं दिया उनकी भी है। इसलिए वोट दिया कि नहीं दिया यह कोई मायने नहीं रखता। प्रधानमंत्री ने कहा सरकार सबकी होती है, सबके लिए होती है और सबको साथ लेकर चलने के लिए होती है। सरकार को कोई भेदभाव करने का हक नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ऐसा पीएम हूं जिससे पूछा जाता है, इतनी मेहनत क्यों करते हो... इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा। अपने पीएम नरेंद्र मोदी के भव्य अभिनंदन समारोह में बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये होली देश और भाजपा दोनों के लिए अनोखा रंग लेकर आई है।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

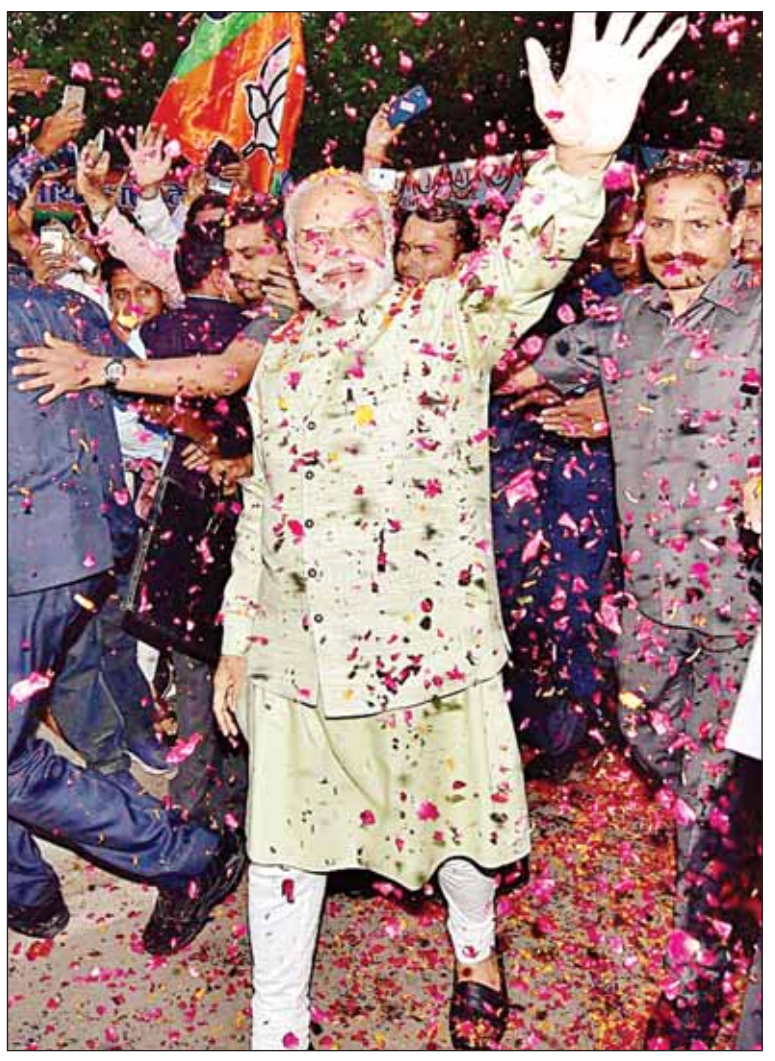

गोवा: 22 विधायकों के साथ भाजपा ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

मनोहर पर्रिकर होंगे गोवा के सीएम

पणजी

रविवार देर शाम केंद्रीय रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर गोवा में भाजपा की सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राज्यपाल के पास पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक पर्रिकर 22 विधायकों के नाम और हस्ताक्षरों के साथ राज्यपाल के पास पहुंचे। बताया जा रहा है कि मनोहर पर्रिकर को एमजीपी के तीन, जीएफपी के तीन और तीन अन्य विधायकों का समर्थन मिला है। हालांकि इस दौरान यह खबर भी आई थी कि मनोहर पर्रिकर ने रक्षामंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सामने सहयोगी पार्टियों ने शर्त रखी कि अगर मनोहर पर्रिकर को सीएम बनाया जाता है तो हम लोग समर्थन देने के लिए तैयार हैं। फिर पार्टी अध्यक्ष और मैंने मनोहर पर्रिकर से बात की, उन्होंने कहा की पार्टी कमान जो भी कहेगी मैं वह करने के लिए तैयार हूं।

साथ ही गड़करी ने कहा कि मनोहर पर्रिकर ने देश के लिए अच्छा काम किया है। मनोहर पर्रिकर ने रक्षामंत्री के नाते अच्छा काम किया। हमने फैसला किया

था कि उन्हें दिल्ली में ही रहना चाहिए। लेकिन पर्रिकर ने कहा कि पार्टी जो भी कहेगी मैं वह करने के लिए तैयार हूं। अगर गोवा में ऐसे समय में मेरी जरूरत है तो मैं तैयार हूं। उन्होंने कहा कि मैं गोवा के हितों और विकास के लिए सेवक हूं। साथ ही गड़करी ने कहा कि मनोहर पर्रिकर ने अभी रक्षामंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। इसके बारे में बाद में फैसला किया जाएगा। गोवा में भारतीय जनता पार्टी को 13 सीटें मिली हैं, यहां पर बहुमत साबित करने के लिए 21 सीटों की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सहयोगी दल महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि अगर रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर गोवा में सरकार का नेतृत्व करेंगे तो वे लोग भाजपा को समर्थन देने के लिए तैयार हैं।

मनोहर पर्रिकर को बनाया सीएम तो दे देंगे समर्थन - एमजीपी

एमजीपी पार्टी कार्यकर्ता का कहना है कि मनोहर पर्रिकर फिर राज्य के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। गोवा में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। यहां कांग्रेस और भाजपा में कड़ी टक्कर देखने को मिली।

कांग्रेस को 17 सीटें और भारतीय जनता पार्टी को 13 सीटें मिली हैं। जीएफपी को तीन और एमजीपी गठबंधन को भी तीन सीटें मिली हैं और एनसीपी को एक सीट पर जीत मिली है। इनके अलावा तीन सीटों पर अन्यों ने कब्जा किया है। राज्य में पहली बार चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी यहां अपना खाता भी नहीं खोल पाई।

गोवा में पर्रिकर को वापस बुलाना चाहते हैं लोग - भाजपा विधायक

भाजपा के तीन नव निर्वाचित विधायकों ने रविवार को कहा कि अगर छोटे दल राज्य में पार्टी का समर्थन करते हैं तो रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर सरकार का नेतत्व करें। भाजपा के विधायक माइकल लोबो ने पार्टी मुख्यालय के बाहर पत्रकारों से कहा कि लोग गोवा में पर्रिकर की वापसी चाहते हैं। अब यह गोवा फारवर्ड पार्टी और महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी पर निर्भर करता है। अगर वे हमारा समर्थन करते हैं तो हम राज्य में सरकार बनाएंगे। माइकल कालंगुट निवार्चन क्षेत्र से पार्टी के विधायक चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि जीएफपी और एमजीपी के समर्थन करने पर भाजपा गोवा की राज्यपाल मदुला सिन्हा के समक्ष राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते है।

सबसे प्रभावशाली शख्सियत बनकर उभरे मोदी - चिदंबरम

मुंबई

पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शख्सियत बनकर उभरे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात को मानने से इन्कार कर दिया कि ये चुनाव परिणाम नोटबंदी पर जनमत संग्रह हैं।

मुंबई में इंडियन मर्चेंट चैंबर में लोगों को संबोधित करते हुए चिदंबरम ने कहा कि इन परिणामों से उच्च सदन में भाजपा का संख्या बल बढ़ जाएगा। लिहाजा, दोनों सदनों में बहुमत के बल पर सरकार के लिए किसी भी विधेयक को पारित करना संभव हो जाएगा, क्योंकि उनकी राह में किसी भी तरह की राजनीतिक अड़चन नहीं होगी। इससे राजग सरकार के लिए बाकी बचे कार्यकाल में आर्थिक वृद्धि दर को आठ प्रतिशत तक ले जाने के लिए कड़े सुधार करना भी संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि सात प्रतिशत की वर्तमान दर में नए रोजगार सृजन में मदद नहीं मिल पा रही है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि इसके लिए राजनीतिक स्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन पता नहीं कि इसे संभव बनाने के लिए उन्होंने दूसरी अन्य चीजों की पहचान की है या नहीं। उन्होंने कहा कि वास्तविक सुधारों के लिए बाजार में सरकार का अनावश्यक हस्तक्षेप रोकना होगा, नौकरशाही का पुनर्गठन करना होगा और नैतिक व न्यायसंगत समाज का निर्माण करना होगा। चिदंबरम ने दावा किया कि बहुमत नहीं होने के बावजूद संप्रग शासनकाल में 1991-96 और 2004-2014 के दौरान कई सुधारों को शुरू किया गया था। नोटबंदी के शुरू से आलोचक रहे पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत को स्वीकार करने से बचने के लिए नोटबंदी को इसका श्रेय देना सबसे आसान निष्कर्ष होगा।

यूपी चुनाव नतीजों में मोदी और उनके 9 मंत्रियों का रहा शतप्रतिशत परफॉरमन्स

यूपी चुनाव के नतीजों के बाद केसरिया हुआ यूपी

नई दिल्ली

उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके 9 मंत्रियों के संसदीय क्षेत्र में बीजेपी का परफॉरमन्स शतप्रतिशत रहा।

प्रधानमंत्री मोदी के कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह, मेनका गांधी और उमा भारती तथा राज्यमंत्री नरेंद्रनाथ पाण्डेय, महेश शर्मा, साध्वी निरंजन ज्योति, संजीव बालयान, संतोष गंगवार और अनुप्रिया पटेल के क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटों पर बीजेपी ने जीत का परचम लहराया ।

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की सभी पांच सीटों पर बीजेपी और उसकी सहयोगी अपना दल के उम्मीदवार विजयी रहे। वहीं राजनाथ के संसदीय क्षेत्र लखनऊ, पीलीभीत से मेनका, झांसी से उमा भारती, गौतम बुद्ध नगर के सांसद महेश शर्मा, चंदौली से पाण्डेय, फतेहपुर से साध्वी, मुजफ्फरनगर से बाल्यान और गंगवार के क्षेत्र बरेली में भी बीजेपी उम्मीदवारों का यही रिकॉर्ड रहा। वहीं कलराज मिश्र की देवरिया और वीके सिंह के संसदीय क्षेत्र गाजियाबाद की पांच में चार सीटें बीजेपी ने कब्जाई और इन दोनों का स्ट्राइक रेट 80% का रहा। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास मंत्री कृष्णा राज के संसदीय क्षेत्र की छह में पांच सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की।

यूपी से आने वाले मोदी के मंत्रियों में सबसे कम स्ट्राइक रेट टेलीकॉम मंत्री मनोज सिन्हा का रहा। विधानसभा चुनाव में इस मोदी लहर के बावजूद सिन्हा के संसदीय क्षेत्र गाजीपुर की 5 विधानसभा सीटों में से बीजेपी ने 3 पर ही जीत दर्ज की।

अब मोदी की पसंद का होगा देश का अगला राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली

पांच राज्यों में हुए चुनावों के परिणामों ने सिर्फ सत्ता परिवर्तन ही नहीं करवाया है, इसका असर अभी बहुत आगे तक नजर आने वाला है। केन्द्र की मोदी सरकार को ये चुनावी परिणाम बहुत ही मजबूती प्रदान करने वाले हैं। एक ओर जहां मोदी की सरकार राज्यसभा में मजबूत होगी तो वहीं दूसरी ओर अब वो अपनी पसंद का राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भी चुन सकती है।

जुलाई 2017 में देश का अगला राष्ट्रपति चुना जाना है जबकि अगले महीने अगस्त 2017 में उपराष्ट्रपति। ऐसे में यूपी और उत्तराखंड में हुई बीजेपी की बंपर जीत काफी काम करेगी और गोवा-मणिपुर में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन भी

उसे सपोर्ट करेगा। साफ जाहिर है कि अब बीजेपी को विरोधी दलों को मनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

देश के बड़ राज्यों में बीजेपी सरकार

अब बीजेपी देश के 12 बड़े राज्यों में सरकार में है। आंकड़ों की बात करें अब देश की कुल आबादी के करीब 53% हिस्से पर बीजेपी का शासन है। बीजेपी इन दिनों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, झारखंड, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा और उत्तराखंड में सत्तासीन है।

राष्ट्रपति चुनाव का पेंच

राष्ट्रपति चुनाव के लिए इलेक्टोरल कॉलेज की बात करें तो बीजेपी के नेतृत्व में बने एनडीए का वोट शेयर अभी भी बहुमत से कुछ कम रहेगा, लेकिन फिर भी वह इतना नहीं होगा कि एनडीए को यूपीए का मुंह देखना पड़े। वोटों के अंतर को एनडीए अब किसी अन्य दलों के साथ मिलकर पूरा कर लेगा। एनडीए को जरूरत है बीजेडी और एआईएडीएमके जैसे दलों को साधने कि जो फिलवक्त यूपीए में शामिल नहीं हैं। राष्ट्रपति का चुनाव इलेक्टोरल कॉलेज (कुल वोट 10,98,882) करता है जिसमें संसद के दोनों सदनों के सदस्य, केंद्रशासित दिल्ली-पुडुचेरी सहित सभी राज्यों के विधानसभा और विधानपरिषदों के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। इन विधानसभा चुनावों से पहले एनडीए अपना राष्ट्रपति चुनने वाले बहुमत से 75,076 वोट दूर था, अब यूपी और उत्तराखंड में बीजेपी को मिले प्रचंड बहुमत के बाद अब उसे महज 20 हजार वोटों की और जरूरत होगी। इन वोटों को एनडीए बीजेडी, एआईएडीएमके और कुछ निर्दलीय सांसदों और विधायकों की मदद से आसानी से पूरी कर सकता है।

बदल जाएगी राज्यसभा की तस्वीर

2018 तक राज्यसभा की करीब 60 सीटें खाली होने वाली हैं. खाली होने वाली अधिकतर सीटें यूपी, उत्तराखंड और गोवा से होने वाली हैं।

■ शेष पृष्ठ 2 पर